7. कारक

बच्चे पढ़ चुके हैं कि वर्णों का सार्थक समूह शब्द, शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है परंतु सार्थक वाक्यों की रचना के लिए हिंदी भाषा में कुछ चिह्न दिए गए हैं। ये वे चिह्न हैं जो वाक्य के संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जोड़ते हैं। इन्हें कारक कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कारक से अवगत कराएँ।

❖ पृष्ठ 41 पर दिए चित्रों के वाक्यों को पढ़वाने के लिए कक्षा के दो बच्चों को चुनें। एक बच्चे से कहें कि वह इन शब्दों को बिना रंगीन शब्दों के पढ़े और फिर दूसरे बच्चे से कहें कि वह वाक्यों को रंगीन शब्दों के साथ पढ़े।

❖ तदुपरांत छात्रों से पूछें कि आपको इन दोनों में क्या अंतर लगा।

❖ बच्चों के उत्तर देने के उपरांत उन्हें बताएँ, इन वाक्यों में आए - ने, को, का, के लिए, से, पर, अरे आदि शब्द कारक-चिह्न कहलाते हैं। ये शब्द वाक्य के संज्ञा-सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जोड़ने का काम करते हैं।

❖ कारक की परिभाषा समझाइए और याद करवाइए।

❖ उन्हें बताएँ, कारक को परसर्ग भी कहते हैं तथा कारक-चिह्नों को विभक्ति-चिह्न भी कहा जाता है।

❖ समझाएँ, कारक के आठ भेद होते हैं। सभी आठ कारकों तथा उनके चिह्नों से बच्चों का अवगत करवाएँ।

❖ बच्चों से कारकों को उनके विभक्ति चिह्नों के साथ याद करके बताने को कहें। यदि छात्रों को कारक याद हो जाएँगे तो कारकों के प्रयोग में वे कभी गलती नहीं कर पाएँगे।

❖ बच्चों को एक-एक करके सभी कारकों का प्रयोग करना सिखाएँ। पाठ पृष्ठों पर दिए चित्रों तथा वाक्यों के अलावा भी वाक्य बोलकर बच्चों को समझाया जा सकता है।

❖ व्याकरण के किसी भी विषय को यदि रोज़मर्रा या दैनिक जीवन की गतिविधियों से जोड़कर समझा या समझाया जाएगा तो वह बहुत ही सरलता से कोई भी समझ सकता है।

❖ बच्चों को विशेष बात बताएँ कि सर्वनाम शब्दों के साथ परसर्गों को मिलाकर लिखा जाता है जैसे– उसने, तुमको, आपका आदि।

❖ सुनिश्चित कर लें कि बच्चे कारकों को भली-भाँति सीख गए हैं।

❖ पाठ के अभ्यास बच्चों से करवाएँ, यथासंभव सहायता भी करें।